(१) ग्रिम-नियम (Grimm's Law)

ग्रिम-नियम का संक्षिप्त इतिहास—यह ध्वनि-नियम प्रो० याकोब ग्रिम (Jacob Grimm, 1785-1863) के नाम से प्रसिद्ध है। इस नियम को 'ध्वनि-परिवर्तन' (जर्मन में Laut-verschiebung, लाउत-ध्वनि, फेर्शीबुंग-परिवर्तन, अंग्रेजी में Sound-shifting-साउन्ड-ध्वनि, शिफ्टिंग-परिवर्तन) नाम दिया गया था। प्रो० मैक्समूलर (Max-Muller) ने इसे Grimm's Law (ग्रिम-नियम) नाम दिया है। प्रो० ओटो येस्पर्सन (Otto-Jespersen) का कथन है कि इस नियम को Rask's Law रास्क-नियम नाम दिया जाना चाहिए, क्योंकि यह नियम डैनिश विद्वान् रास्क ने ही सर्वप्रथम प्रामाणिक रूप में अपनी पुस्तक (Undersogelse) में प्रकाशित किया था।[1] प्रो० ग्रिम ने इसके आधार पर ही इस नियम का विस्तृत वर्णन किया है। प्रो० ग्रिम ने १८२२ ई० में अपने जर्मन व्याकरण (Deustche Grammatik, दायत्श-जर्मन, ग्रामातिक-व्याकरण) का द्वितीय संस्करण निकाला था। उसमें इस नियम का विस्तार से वर्णन किया है। इस नियम की ओर पहले संकेत करने के विषय में प्रो० रास्क के अतिरिक्त प्रो० ईरे (Ihre) का भी नाम लिया जाता है।

ग्रिम-नियम दो भागों में विभक्त है।

१. प्रथम वर्ण-परिवर्तन (First sound shifting)—यह वर्ण-परिवर्तन ईसा के जन्म से पूर्व हो चुका था। इसका प्रभाव समान रूप से गाथिक, निम्न जर्मन और अंग्रेजी, डच आदि भाषाओं पर पड़ा है। भारोपीय मूलभाषा की व्यंजन ध्वनियाँ संस्कृत, लैटिन, ग्रीक आदि में सुरक्षित हैं। अंग्रेजी का उद्भव निम्न जर्मन से है, अतः इसके द्वारा संस्कृत और अंग्रेजी की तुलना से यह परिवर्तन स्पष्ट हो जाता है। इस वर्ण-परिवर्तन में एक ओर संस्कृत, लैटिन, ग्रीक, स्लावोनिक भाषाएँ हैं, इनमें मूल ध्वनि सुरक्षित है। दूसरी ओर गाथिक, निम्न जर्मन, अंग्रेजी, डच आदि भाषाएँ हैं, इनमें यह परिवर्तन हुआ है।

वर्ण–परिवर्तन का क्रम

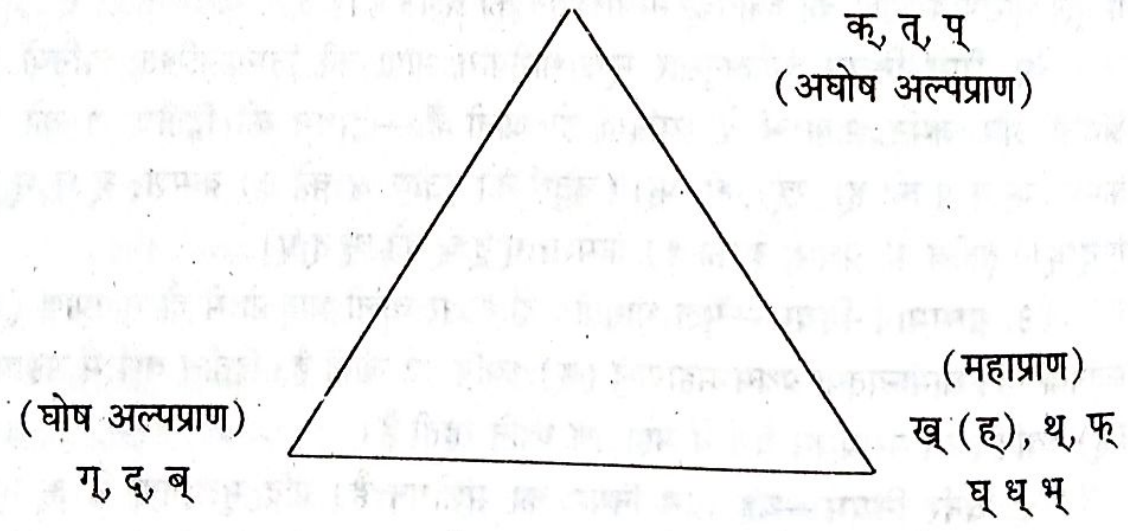

चित्र-संख्या—३१.

1. If any one man is to give his name to this law, a better name would be Rask's Law. —Otto Jespersen, *Language*, p. 43.

२. द्वितीय वर्ण-परिवर्तन (Second sound shifting)—द्वितीय वर्ण-परिवर्तन ७वीं और ८वीं शती ई० में हुआ है। यह वर्ण-परिवर्तन केवल जर्मन भाषा के ही दो रूपों—उच्च और निम्न—में हुआ है। निम्न जर्मन की प्रतिनिधिभाषा अंग्रेजी है। यह परिवर्तन निम्न जर्मन और अंग्रेजी से उच्च जर्मन में हुआ है। निम्न जर्मन की कुछ ध्वनियाँ उच्च जर्मन में भिन्न हो गई हैं। ऊपर दिए गए त्रिकोण के अनुसार प्रथमवर्ण-परिवर्तन में एक पग आगे चलते हैं। द्वितीयवर्ण परिवर्तन में एक पग और आगे चलते हैं।

निम्न जर्मन (Low German) और उच्च जर्मन (High German) के विषय में यह स्मरण रखना चाहिए कि यह अन्तर उच्च वर्ग और निम्न वर्ग से, अर्थात् व्यक्तियों से, नहीं है। जर्मनी का उत्तरी भाग समतल और नीचा है, अत: वहाँ बोली जाने वाली भाषा 'निम्न जर्मन' कही जाती है। निम्न जर्मन और अंग्रेजी में प्रथम वर्ण-परिवर्तन वाली ध्वनियाँ समान हैं। निम्न जर्मन की शाखाएँ हैं—अंग्रेजी, डच, डैनिश, नार्वेई, स्वीडिश आदि। जर्मनी में दक्षिणी पहाड़ी भाग में बोली जाने वाली भाषा को 'उच्च जर्मन' कहते हैं, क्योंकि यह ऊँचे पर्वतीय भाग में बोली जाती है।

वर्ण-परिवर्तन को इस प्रकार रखा जा सकता है—मूल भारोपीय भाषा (मू० भा०) > संस्कृत (सं०), ग्रीक (ग्री०), लैटिन (लै०) > निम्न जर्मन (नि ज), अंग्रेजी (अं) > उच्च जर्मन (उ ज)। संस्कृत के वर्ग के चतुर्थ घ ध भ ग्रीक और लैटिन में द्वितीय वर्ण अर्थात् ख थ फ हो जाते हैं। अत: उपर्युक्त त्रिकोण में चतुर्थ और द्वितीय वर्णों को एक स्थान पर रखा गया है।

सं, लै, ग्री	क्	ख् (घ्)	ग्		त्	थ् (ध्)	द्		प्	फ् (भ्)	ब्
अं; नि ज	ह्	ग्	क्		थ्	द्	त्		फ्	ब्	प्
उ ज	ग्	क्	ख्		द्	त्	त्स, स्स		ब्, व्	प्फ्, प्फ्	

संस्कृत		**अंग्रेजी**		**उच्च जर्मन**
१. प्रथमवर्ण	>	२. द्वितीयवर्ण	>	३. तृतीयवर्ण
२. द्वितीय०	>	३. तृतीय०	>	१. प्रथम०
३. तृतीय०	>	१. प्रथम०	>	२. द्वितीय०
४. चतुर्थ०	>	३. तृतीय०	>	१. प्रथम०

इस प्रकार प्रथमवर्ण-परिवर्तन में संस्कृत के प्रथम वर्ण को अंग्रेजी में द्वितीय वर्ण, २ और ४ को ३ तथा ३ को १ होता है।

प्रथम ध्वनि-परिवर्तन के लिए ग्रीक और लैटिन को छोड़कर मूल भारोपीय भाषा की प्रतिनिधि संस्कृत को लेने पर तथा निम्न जर्मन की प्रतिनिधि अंग्रेजी को लेने पर यह नियम स्पष्ट होता है और इसकी उपयोगिता ज्ञात होती है।

प्रथम वर्ण-परिवर्तन

ध्वनि-परिवर्तन	**संस्कृत**	**अंग्रेजी**	**अर्थ**
१. क् > ह् h, wh	कः	who	कौन

ध्वनि-परिवर्तन	संस्कृत	अंग्रेजी	अर्थ
	कद् (वैदिक)	what	क्या
२. त् > थ् th	त्रि	three	तीन
	तनु	thin	पतला
	तृण	thorn	काँटा
३. प् > फ् f	पितर्	father	पिता
	पाद	foot	पैर
४. घ् (ह्) > ग् g	हंस (घंस)	Goose	हंस
	दुहितर् (दुघितर्)	Daughter	पुत्री
५. ध् > द् d	विधवा	widow	विधवा
	धिति	Deed	कार्य
६. भ् > ब् b	भ्रातर्	Brother	भाई
	भू	Be	होना
	भर् (भृ)	Bear	धारण करना
७. ग् > क् k	गो	Cow	गाय
	युग	Yoke	जुआ
८. द् > त् t	दशन्	Ten	दस
	द्वौ	Two	दो
	अद्	Eat	खाना
९. ब् > प् p	लब (फारसी)	Lip	ओठ
	Kannabis (ग्रीक) (संस्कृत का उदाहरण नहीं मिलता है।)	Hemp	भाँग

द्वितीय वर्ण-परिवर्तन

द्वितीय वर्ण-परिवर्तन में त्रिकोण के अनुसार एक पग और आगे बढ़ते हैं। निम्न जर्मन और अंग्रेजी के शब्द उच्च जर्मन में निम्नलिखित रूप में परिवर्तित हो जाते हैं—

अं०	उच्च जर्मन	अं०	उ० ज०	अं०	उ० ज०
k	ch, ख	h	g, ग्	g	ck, क्
t	s, ss, z (त्स)	th	d, द्	d	t, त्
p	pf (प्फ)	f, v	b, ब्	b	p प्

ध्वनि-परिवर्तन	अंग्रेजी	जर्मन	अर्थ
1. k—ch, ख्	Book	Buch, बुख	पुस्तक
	Cook	coch, कोख	रसोइया
2. t—s, ss, स्	Out	ous, आउस	बाहर

ध्वनि-परिवर्तन	अंग्रेजी	जर्मन	अर्थ
z, त्स	Foot	fuss, फुस्स	पैर
	Ten	zehn, त्सेन	दस
3. p—f, pf, प्फ	Up	Auf, आउफ	ऊपर
ff, प्फ	Apple	Apfel, आप्फेल	सेव
	open	offen, ओफ्फेन	खोलना
4. h—g, ग्	Hostis (लै०)	Gast, गास्ट	अतिथि
5. th—d, द्	Three	Drei, द्राई	तीन
	Thick	Dick, डिक	मोटा
6. v—f b, ब्	Wife	Weib, वाइब	पत्नी
	Give	Geben, गेबेन	देना
7. g—ck, क्	Bridge	Brucke, ब्रयूक	पुल
8. d—t, त्	God	Gott, गोट्ट	ईश्वर
	Do	Tun, तुन	करना
9. b—p, प्	Double	Doppel, डोप्पेल	दुगुना

ग्रिम-नियम के अपवाद—प्रो० ग्रिम ने इस ध्वनि-परिवर्तन के कुछ अपवादों का उल्लेख किया है उनमें मुख्य ये हैं—

१. क्, त् प् से पूर्व स् (S) संयुक्त होने पर—sk, st, sp.

२. त् से पूर्व क् या प् संयुक्त होने पर—kt, pt.

ऐसे संयुक्त व्यंजन वाले स्थलों पर ध्वनि-परिवर्तन नहीं होता है। जैसे—

ध्वनि	लैटिन	गाथिक	अर्थ
Sk, स्क	Piscis, पिस्किस	Fisks, फिस्क्स	मछली
St, स्त	Est, एस्ट	Ist, इस्ट	है
Sp, स्प	Spicio, स्पिसिओ	Spehon, स्पेहोन (उ०ज०)	
Kt, क्त	Octo, ओक्टो	Acht, आख्ट (उ०ज०)	आठ
Pt, प्त	Captus, काप्टुस	Hafts, हाफ्ट्स	रोका

जर्मानिक या टचूटानिक (जर्मनभाषा-परिवार) की सबसे प्राचीन भाषा गाथिक है। इससे ही उच्च जर्मन, निम्न जर्मन, अंग्रेजी आदि निकली हैं।